

ग्रस**ाथ**ारण

EXTRAORDINAR

भाग **I--खण्ड**ः

PART I-Section 1

प्राधिकार में प्रश्नित

PUBLISHED BY AUTHORITY

न्सं **52**] मई दिल्ली, इत्विदार, मार्च 4, 1972/फ ल्गुन 14, 1893

No. 52]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 4, 1972 PHALGUNA 14, 1893

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रक्ता जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 4th March 1972

Subject.—Import of Built up passenger Car, Station Wagon, Jeeps etc.

No. 39-ITC(PN)/72.—The provisions regarding import of cars etc. have been reviewed and the following additions, alterations made:—

(i) No-sale period of car.—The 'no-sale period of imported cars, brought as baggage, by Indian nationals, which was so far 7 years from the date of initial registration and 5 years from the date of importation, whichever is later appearing

in para 3(1)(ii) of Appendix 27 of I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure (1971), will now be 5 years from the date of its importation, irrespective of the date of its initial registration abroad. This will also apply to repatriates and non-repatriates from East African and other countries. Insofar as foreign nationals, institutions and companies etc. are concerned the 'no-sale' period will continue to be 10 years from the date of initial registration abroad or 5 years from the date of importation whichever is later.

- (ii) C.I.F. Value limitation.—The upper limit, shown in para 1 of the Appendix 27 of I.T.C. Hand Book, in respect of cars to be imported from non-American countries has been raised to Rs. 35,000 with the proviso that cars upto and including the level of Mercedes Benz 230 only will be permitted. The upper limit for cars from American continent will continue to be Rs. 32,000 with the condition that cars above the level of Chev. Impalla will not be permitted. Spares upto the value of Rs. 800 only will be permitted to be imported alongwith the car.
- (iii) Import of cars by Disabled persons.—Import of car as gift or otherwise may be permitted to disabled persons on merit. In such cases 'no-sale' condition will, however, be for ten years from the date of import and the upper limit of Rs. 30,000 e.i.f. would be applicable. Other conditions will be the same as for Indian nationals.
- (iv) Import of car as gift.—Import of a car as gift from the parents of foreign ladies (including foreign ladies of Indian origin) married to Indian nationals who are permanently settled in India, within the limit of F.O.B. value of £ 1170.00 may be considered.
- (v) Import of cars by Companies.—In addition to the provision in para 3 of Appendix 27 of I.T.C. Hand Book regarding import of cars by certain categories of Companies, it has been decided that Companies which are partly owned by the Government and partly by a foreign Collaborator, may also be permitted to import a car provided they have financial as well as technical foreign Collaboration and the agreement provides for the visits of foreign technical experts/Directors to India.

Appendix 27 of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure (1971), may be deemed to have been amended accordingly.

M. M. SEN, Chief Controller of Imports and Exports.

विवेश ध्यापार मंत्रालय

स.वैजनिक सूचना

श्रायात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 4 पार्च, 1972.

वि≱यः --- निर्मित सवारी कार, स्टेशन वैभन जीप आदि का श्राटात ।

सं 039-बाई ०डी०सी० (पी॰एन०)/72.---कारों छ। दि वे छापान से सम्बन्धित व्यवस्थाओं की ुनरोक्षा की पर्द है घोर उन व्यवस्थाओं में निम्मलिखिन संद लग प्रिदर्शन किए शए है :---

(1) कार की दिकीन करने की भविष्य:--भारतीय नागरिकों द्वारा श्रमवात के रूप में लाई गई इरकारित कारों की दिकी सकरने की श्रवास जो श्रवास प्रारम्भिक पंजीकरण की तिथिस 7 साझ

- (2) लागत-श्रीमा-भाषा नुल्य सीमा .-- गॅर श्रमरीकी देणों से श्रायात की जाने वाली कारों के सम्बन्ध में श्रायात ब्यापार तियंत्रण हैंडबुक के परिणिष्ट 27 की कंडिका 1 में प्रवर्णित उच्च सीमा इस शर्त के साथ 38,000-/रुपयं तक बन्ध दी गई है कि केवल मरिसडीज बेन्ज 230 तक के लेबिल श्रीर इसके लहित ही कारों की श्रमुमित दी जाएगी। श्रमरीकी महाद्वीप से कारों के लिए उच्च सीमा इस शर्त के साथ 32,000/ रुपये जारी रहेगी कि शिवरलेट इस्पाला के लेबिल से ऊपर की वारों की श्रमुमित नहीं दी जाएगी। कार के साथ केवल 800/रुपये के मूल्य तक के फालतु पुर्जे श्रायात करने की श्रमुमित दी जाएगी।
- (3) विकलांग व्यक्तियों द्वारा कारों का आयात :— विकलांग व्यक्तियों को उपहार के रूप में या अन्यश्रकार से कारों के आयात की अनुमति योग्यता के आधार पर दी जाएगी । लेकिन ऐसे मामलों में "विकी"न करने की शर्त आयात करने की तिथि से 10 साल होगी और 30,000/ रुपये लागत-बीमा-भाड़ा की उच्च मीमा लागू रहगी। अन्य शर्ते भारतीय नागरिकों की शर्तों जैसी ही होंगी।
- (4) उपहार के रूप में कार का झायात:—स्थायी रूप से भारत में ¡बसे हुए भारतीय नागरिकों से विवाहित विदेशी महिलाओं (भारतीय वंश की विदेशी महिलाओं सहित) के माता पिता से उपहार के रूप में 1170,00 पींड के जहाज पर्यन्त निः शुल्क मूल्य की भीमा के भीतर भाने वाली कार के आयात पर विचार किया जा सकता है ।
- (5) समदायों द्वारा कारों की श्रायात :—समवायों की कितप्य श्रेणियों द्वारा कारों के श्रायात के समबन्ध में श्रायात क्यापार नियंत्रण हैं इ बुक के परिणिष्ट 27 की के डिका 8 की ध्यवस्था के श्रीतिरवत यह निश्चय किया गया है कि उन समका प्रकेश भी कार श्रायात करने की श्रीतुमित दी जा सकते है जो श्राणिक रूप में सरकार के श्रीप श्राणिक रूप में विदेशी महयोगी हैं स्विमित्य में है बगर्ति कि वे समवाय यित प्रकिति कि विदेशी महप्रभागी रखते हों श्रार विदेशी विशेषकों। निवेषकों के भारत याद श्री के लिए करार में व्यवस्था हो।

भायात्त व्यापार नियंत्रण, नियम तथा प्रक्यि। हैंड बुक (1971) के प्रशिष्ट 27को तदनुसार -संशोधित किया गया समझा जाए।

म० , म० सेन,

मध्य नियंत्रक, ग्रामात-निर्यात ।